9/3/26

पत्रा० पेश हुई। बवक्त उप०। मूल वाद में PD जारी करने बावत सहमति प्रदान की गई। उभयपक्ष अधिवक्ता की बहस सुनी गई। वादी अधिवक्ता ने मूल वाद के अंतिम निस्तारण तक पाबंद करने का निवेदन किया गया। बहस पर मनन एवं पत्रावली के अवलोकन से स्पष्ट है कि दावा 53 का है। एवं उभयपक्ष अधिवक्ता द्वारा PD जारी करने बावत सहमति भी दी जा

गोयल प्रिन्टर्स, भरतपुर-223990

FORM No. III
फर्द अहकाम

(नियम - 26)

अदालत _____ मुकाम _____

बनाम _____

कस्म मुकदमा _____ नं. _____ सन् _____

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
	चुकी है। ऐसे में मूल वाद के अंतिम निस्तारण तक उभयपक्षकारान को मौका व राजस्व रिकॉर्ड की स्थिति यथावत रखने बाबत पाबंद किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः पाबंद किया जाता है। एवं पत्रावली फैसल शुमार होकर रवाना से कम हो। एवं मूल वाद के साथ संलग्न की जावे।	